— दैनिक समाचार पत्र —

सुमन पत्रिका

वर्ष: 03 अंक:154 | मूल्य: 2.00 रुपए | रविवार, 07 जून 2026 | पृष्ठ: 4

बीजेपी पृष्ठभूमि से कांग्रेस के 'फायरब्रांड' तक : विरोधियों के चक्रव्यूह को तोड़ विपक्ष की सबसे दमदार आवाज बने 'खाचरियावास'

छात्र राजनीति से कैबिनेट मंत्री तक संघर्ष और बेबाकी से बनाई प्रतापसिंह ने अपनी अलग पहचान

एबीवीपी से टिकट नहीं मिला तो निर्दलीय जीता चुनाव

पूर्व मुख्यमंत्री भैरोंसिंह शेखावत के भतीजे ने खुद लिखी अपनी सियासी इबारत

जयपुर

कहने को तो वे देश के पूर्व उप राष्ट्रपति और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री 'बाबोसा' भैरोंसिंह शेखावत के भतीजे हैं, लेकिन राजनीति की बिसात पर उन्होंने कभी विरासत का सहारा नहीं लिया। राजस्थान विश्वविद्यालय की छात्र राजनीति से कदम बढ़ाकर सूबे की सरकार में कैबिनेट मंत्री बनने तक का सफर कभी आसान नहीं था। भाजपा की वैचारिक पृष्ठभूमि से निकलकर कांग्रेस के 'फायरब्रांड' और विपक्ष की सबसे दमदार आवाज बनने की यह कहानी कड़ी मेहनत, जनता के जुड़ाव और कभी न झुकने वाले तेवरों की गवाह है। जी हां, आज की इनसाइड स्टोरी में बात कर रहे हैं प्रताप सिंह खाचरियावास।

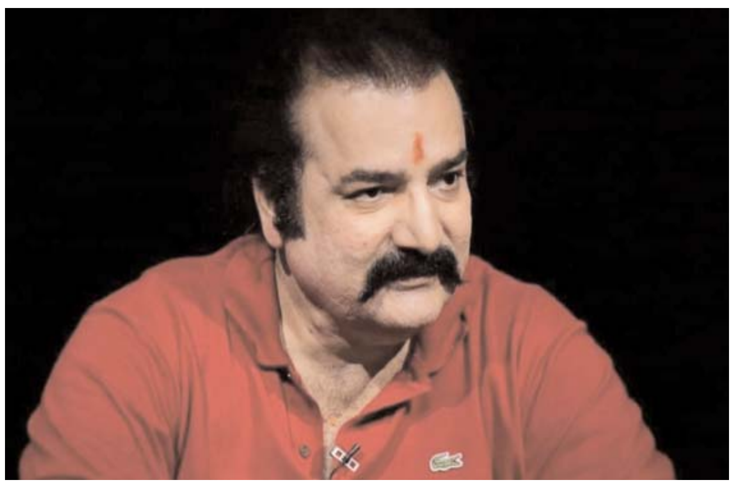

जब करियर की शुरुआत में ही विरोधियों ने घेरा-

प्रतापसिंह का सियासी सफर साल 1992 में राजस्थान विश्वविद्यालय के छात्रसंघ अध्यक्ष बनने से शुरू हुआ था। भाजपा पृष्ठभूमि होने के बावजूद जब अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने उन्हें टिकट देने से इनकार कर दिया, तो इस युवा नेता ने हार नहीं मानी। उन्होंने बागी होकर निर्दलीय चुनाव लड़ा और एकतरफा जीत हासिल कर अपने दमखम का परिचय दिया।

इसके बाद वे भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भी रहे, लेकिन अपनों के ही राजनीतिक छलावे और टिकट न मिलने के कारण विरोधियों ने शुरुआत में ही उनका करिअर कुचलने की पूरी कोशिश की।

कांग्रेस में बनाई जगह, बने संकटमोचक -

साल 2004 के आसपास प्रतापसिंह खाचरियावास ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का दामन थाम लिया। विचारधारा पूरी तरह अलग थी, लेकिन अपनी आक्रामक शैली और जमीनी पकड़ के चलते उन्होंने बहुत जल्द कांग्रेस आलाकमान का भरोसा जीत लिया। साल 2008 में कांग्रेस ने उन्हें जयपुर की हॉट सीट 'सिविल लाइंस' से मैदान में उतारा, जहां उन्होंने शानदार जीत दर्ज की। हालांकि 2013 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा, लेकिन 2018 में वे फिर से इसी सीट से विधायक चुने गए और पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार में परिवहन तथा खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति जैसे महत्वपूर्ण विभागों के कैबिनेट मंत्री रहे। उन्होंने लोकसभा का चुनाव भी लड़ा और हर मोर्चे पर पार्टी के लिए मजबूती से खड़े रहे।

सड़कों के संघर्ष से बने विपक्ष की 'फायरब्रांड' आवाज -

खाचरियावास की सबसे बड़ी यूएसपी उनका जनता के बीच रहना और जनता के मुद्दों पर सड़क पर उतर जाना है। चाहे अपनी ही सरकार के खिलाफ बेबाकी से बोलना हो या केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई के खिलाफ डटकर खड़े होना, वे हमेशा मुखर रहे हैं। आज भले ही सूबे की सत्ता बदल चुकी है, लेकिन सदन से लेकर सड़क तक वे कांग्रेस और विपक्ष की सबसे मजबूत तथा धारदार आवाज बनकर सरकार को घेर रहे हैं। उनका यह सफर इस बात का प्रमाण है कि अगर इरादे मजबूत हों, तो सियासत की राह में आने वाले हर कांटे को जनसमर्थन के बल पर हटाया जा सकता है।

चिकित्सा मंत्री के बेटे को जान से मारने की धमकी:फोन कर कहा-जयपुर आओ तो ध्यान रखना; गोली मार दूंगा

नागौर

चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के बेटे धनंजय सिंह को जान से मारने की धमकी मिली है। फोन करने वाले ने गोली मारने की बात कही है।

धनंजय सिंह के सोशल मीडिया अकाउंट पर भी लगातार धमकियां मिल रही हैं। धनंजय की रिपोर्ट पर शनिवार को खींवसर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जयपुर आओगे तो ध्यान रखना, गोली मार दूंगा

खींवसर थानाधिकारी अदिति उपाध्याय ने बताया- चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के बेटे धनंजय सिंह ने खींवसर थाना पुलिस को शनिवार को रिपोर्ट दी। जिसमें उन्होंने कहा- 5 जून की सुबह करीब साढ़े 8 से साढ़े 9 बजे के बीच मैं अपने खींवसर फोर्ट स्थित निजी कार्यालय 'अटल भवन' में बैठा था। इसी दौरान मेरे मोबाइल पर एक अनजान नंबर से फोन आया, जिसमें नंबर दिखाई नहीं दे रहे थे, अननॉन लिखकर आ रहा था।

कॉलर ने पहले नाम पूछा और फिर मेरे खींवसर में होने की पुष्टि की। जब कॉलर ने मुझसे जयपुर आने के बारे में पूछा, तो मैंने कहा- दो दिन बाद जयपुर में होने वाली राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की मीटिंग में शामिल होने के लिए आऊंगा।

इस पर कॉलर ने कहा- ध्यान रखना। मैंने कहा- आप क्या कहना चाहते हैं और कॉल करने वाले का नाम जानना चाहा, तो आरोपी ने कहा, 'ध्यान रखना, गोली मार दूंगा '।

मैंने कहा- मेरे साथ क्विक रेस्पॉन्स टीम का जाब्ता तैनात है और उनके पास भी हथियार हैं, तो आरोपी ने फोन काट दिया।

फेसबुक पेज पर भी मिल रहे धमकी भरे मैसेज

रिपोर्ट में धनंजय सिंह ने बताया कि फोन के अलावा मेरे ऑफिशियल फेसबुक पेज पर भी कुछ समय से लगातार इसी तरह के धमकी भरे मैसेज और कमेंट मिल रहे हैं। इन धमकियों के स्क्रीनशॉट और यूआरएल भी पुलिस को सबूत के रूप में सौंपे हैं। धमकियों के इस सिलसिले से परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

जयपुर में मिशन हरियालो राजस्थान को गति: 66 लाख पौधारोपण का लक्ष्य, जियोटैगिंग से होगी पूर्ण पारदर्शिता

कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान में जयपुर अग्रणी: लक्ष्य 125 के मुकाबले 741 रिचार्ज संरचनाओं का निर्माण

जयपुर।

मिशन हरियालो राजस्थान की जिला स्तरीय टास्क फोर्स एवं राज-उन्नति की 6वीं बैठक में कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान की समीक्षा जिला कलक्टर संदेश नायक ने शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में की।

जिला कलक्टर ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान को हरित प्रदेश के रूप में विकसित करने, राजस्थान में कृषि वानिकी को विकसित करने ,ग्लोबल वार्मिंग को कम करने तथा भारतवर्ष में 2070 तक कार्बन तटस्थता तक पहुंचाने में राजस्थान प्रदेश की अग्रिम भमिका को देखते हुए राजस्थान को अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करने में मिशन 'हरियालो राजस्थान' की महता को देखते हुए इसके व्यापक क्रियान्वयन हेतु व्यापक दिशा निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा जयपुर जिले को 66 लाख 82 हजार 538 पौधे लगाने का लक्ष्य दिया गया है जिसमें से 45.64 लाख पौध जिले की विभिन्न नर्सरियों में तैयार की गई हैं। शेष पौधों की व्यवस्था निजी स्तर पर की जाएगी।

जिला कलक्टर ने बताया कि पौधारोपण कार्य हेतु संबंधित विभागों द्वारा लक्ष्यानुसार गड्ढे खोदने के कार्य किया जा चुका है।उन्होंने बताया कि पौधारोपण कार्य में पूर्ण पारदर्शिता के लिए हरियालो राजस्थान मोबाइल एप के माध्यम से जियोटैगिंग की जायेगी। उन्होंने बताया कि साथ ही गत वर्ष में किए गए पौधारोपण की रि-जियो टैगिंग कर जीवितता भी अपडेट की जाएगी।

कर्मभूमि से मातृभूमि

जिला कलक्टर ने कहा कि राजस्थान जैसे मरूप्रदेश जहाँ आदिकाल से पानी की कमी रही है वहाँ जल संरक्षण का कार्य अत्यंत महत्त्वपूर्ण हो जाता है। राजस्थान भूजल विभाग द्वारा 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान का संचालन वर्षाजल की एक-एक बूँद का संरक्षण, संवर्धन व जल पुनर्भरण संरचनाओं का जनसहभागिता से निर्माण कर राज्य में गिरते भूजल स्तर को रोकने के साथ -साथ आमजन को जागरूक कर व्यवहार परिवर्तन करने के लिए किया जा रहा है।

अभियान के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में 125 संरचनाओं के लक्ष्य के विरूद्ध 254 रिचार्ज स्ट्रक्चरों का निर्माण किया जा चुका है। वहीं वित्तीय वर्ष 2026-27 में 125 संरचनाओं के विरूद्ध 741 रिचार्ज स्ट्रक्चरों का निर्माण आज दिनांक तक किया जा चुका है। जिला कलक्टर ने रीको सहित सभी विभागों को अधिक से अधिक वर्षा जल संचयन हेतु संरचनाओं का निर्माण करने हेतु निर्देशित किया है।

इस दौरान जिला कलक्टर ने सीएमओ, जनसुनवाई व संपर्क पोर्टल पर दर्ज जिले से संबंधित सभी प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सभी लंबित प्रकरणों का शीघ्रता से पूर्ण संवेदनशीलता के साथ निस्तारण करने के निर्देश सभी उपखण्ड अधिकारियों, जिला स्तरीय अधिकारियों सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को दिए है।

इस दौरान सीईओ जिला परिषद् प्रतिभा वर्मा, उपवन संरक्षक वी केतन कुमार, अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रथम राजीव द्विवेदी, अतिरिक्त जिला कलक्टर तृतीय व जिला जनगणना अधिकारी देवयानी, अतिरिक्त जिला कलक्टर चतुर्थ आशीष कुमार, अतिरिक्त जिला कलक्टर द्वितीय मेघराज मीणा, नॉडल अधिकारी कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान भूजल विभाग डॉ. मलेन्द्र चौहान सहित संबंधित विभागों के जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी वीसी के माध्यम से बैठक से जुड़े थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एसएमएस में ओपीडी सेवाओं का किया औचक निरीक्षण

ओपीडी में चिकित्सा व्यवस्था, मेडिसिन सहित साफ-सफाई की ली जानकारी

अधिकारियों को स्वास्थ्य सेवाओं में आवश्यक सुधार के दिए निर्देश,विभाग की ओपीडी में ही जांच और दवा काउंटर की व्यवस्था हो सुनिश्चित

जयपुर।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचकर ओपीडी सेवाओं का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों की ओपीडी में चिकित्सा व्यवस्थाओं, दवाओं, जांच सहित साफ-सफाई के संबंध में अस्पताल प्रशासन से विस्तृत जानकारी ली। साथ ही, उन्होंने रोगियों एवं उनके परिजनों से आत्मीयता से बातचीत की तथा उनसे मिले फीडबैक के आधार पर स्वास्थ्य सेवाओं में आवश्यक सुधार के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भीलवाड़ा दौरे से जयपुर वापसी पर अचानक एसएसएस अस्पताल पहुंचे। जहां उन्होंने धन्वंतरी भवन में ओपीडी सेवाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान मेडिसिन, ऑर्थो, कार्डियो, न्यूरो सहित अन्य विभागों की ओपीडी सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि सवाई मानसिंह अस्पताल देश का प्रतिष्ठित अस्पताल है। यहां प्रदेश के साथ दूसरे राज्यों के रोगी भी उपचार के लिए आते हैं, जिसके चलते

रोगी भार अधिक रहता है। इसे देखते हुए अस्पताल प्रशासन सेवाओं में विस्तार और तकनीकी उपाय अपनाकर रोगियों को सुगम एवं सुलभ उपचार उपलब्ध करवाए।

उन्होंने कहा कि रोगियों को जांच और दवाओं के लिए अन्यत्र नहीं जाना पड़े, इसके लिए संबंधित विभाग की ओपीडी में ही जांच और दवा काउंटर की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। वहीं, उन्होंने अस्पताल परिसर में रोगियों और उनके परिजनों के लिए बैठने एवं पेयजल आदि की पर्याप्त व्यवस्था करने के साथ ही साफ-सफाई रखने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा कि राज्य सरकार सवाई मानसिंह अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बना रही है, जिससे यहां मरीजों को समय पर उचित उपचार मिल सके। विगत ढाई वर्ष में एसएमएस में स्वास्थ्य सुविधाओं में काफी सुधार हुआ है। इसके लिए चिकित्सा विभाग एवं अस्पताल प्रशासन साधुवाद के पात्र है। लेकिन जहां भी सुधार की गुंजाइश है, वहां जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

इस अवसर पर प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़, एसएसएस मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी, अधीक्षक डॉ. मृणाल जोशी सहित चिकित्सक एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

बाघिन-रिद्धि तीसरी बार मां बनी, एक शावक को दिया जन्म

अब 77 टाइगर हुए, इससे पहले साल 2023 में तीन शावकों को जन्म दिया था

सवाई माधोपुर

रणथम्भौर में बाघिन टी-124 रिद्धी ने तीसरी बार एक शावक को जन्म दिया है। जिससे वन्यजीव प्रेमियों में खुशी की लहर है। बाघिन को हाल ही में नाल घाटी वन क्षेत्र में एक शावक के साथ देखा गया है। इससे पहले साल 2022 में एक शावक फिर साल 2023 में तीन शावकों को जन्म दिया था।

वन विभाग की लगातार गश्त और निगरानी के दौरान बाघिन और उसके शावक की उपस्थिति दर्ज की गई हैं। रणथंभौर टाइगर रिजर्व में बाघ,बाघिन और शावकों की संख्या 77 हो गई। रणथंभौर टाइगर रिजर्व में वर्तमान में 23 बाघिन 25 बाघ 29 शावक है।

वन विभाग कर रहा निगरानी

रणथंभौर टाइगर रिजर्व फर्स्ट के डीएफओ मानस सिंह ने बताया- इस बाघिन रिद्धि एवं उसके शावक की गतिविधियों पर वन विभाग लगातार निगरानी रख रहा है, ताकि उनकी सुरक्षा एवं संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके।

बारां पुलिस का नशे के सौदागरों पर बड़ा प्रहार : 1.46 करोड़ रुपये की 732 ग्राम स्मैक बरामद

जयपुर। कोटा रेंज में चलाए जा रहे विशेष मादक पदार्थ विरोधी अभियान के तहत बारां पुलिस ने नशे के कारोबारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए वाणिज्यिक मात्रा में 732 ग्राम स्मैक बरामद की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में जब्त स्मैक की कीमत लगभग 1 करोड़ 46 लाख 40 हजार रुपये आंकी गई है। कार्रवाई के दौरान तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया तथा तस्करी में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिलें भी जब्त की गई हैं।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु ने बताया कि महानिरीक्षक पुलिस कोटा रेंज के निर्देशन में 23 मई से 20 जून तक चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. कमल कुमार के सुपरविजन तथा वृत्ताधिकारी ताराचंद के नेतृत्व में थाना छीपाबड़ौद पुलिस ने यह महत्वपूर्ण सफलता हासिल की।

गश्त के दौरान थानाधिकारी छीपाबड़ौद योगेश चौहान मय टीम को आखाखेड़ी चौराहे के पास दो संदिग्ध मोटरसाइकिलों के साथ तीन व्यक्ति खड़े दिखाई दिए। पुलिस जाप्ते को वर्दी में देखकर तीनों व्यक्ति घबराकर भागने लगे। पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए तुरंत घेरा डाला और तीनों संदिग्धों को मौके पर ही दबोच कर डिटेन कर लिया।

1.46 करोड़ की स्मैक बरामद

पकड़े गए आरोपियों की पहचान विमल प्रकाश महाजन (64), उनके पुत्र रवि मित्तल (36) और नरेश मीणा (35) के रूप में हुई है, जो सभी छीपाबड़ौद क्षेत्र के ही निवासी हैं। तलाशी के दौरान आरोपी रवि मित्तल और विमल प्रकाश के कब्जे से वाणिज्यिक मात्रा की 732 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की गई। इस जब्त की गई स्मैक की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 1 कराड़ 46 लाख 40 हजार रुपये आंकी गई है। मौके पर पहुंची फोरेंसिक और एमओबी टीम बारां ने प्रारंभिक जांच में बरामद पदार्थ में मॉर्फिन की मात्रा होने की पुष्टि की है।

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री अजेय कुमार के आगमन से पार्टी को मिलेगी नई मजबूती

अशोक गहलोत का राजनीतिक वजूद लगातार घटता जा रहा है, इसी के चलते कर रहे है अनर्गल बयानबाजी: मदन राठौड़

जयपुर

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रदेश संगठन महामंत्री के रूप में अजेय कुमार की नियुक्ति भाजपा संगठन के लिए अत्यंत खुशी और गर्व का विषय है। राष्ट्रीय नेतृत्व ने संगठन की भावना का सम्मान करते हुए अनुभवी एवं समर्पित कार्यकर्ता अजेय कुमार को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। शनिवार को जयपुर आगमन पर संगठन महामंत्री अजेय कुमार ने मोती डूंगरी गणेश मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इसके बाद प्रदेश कार्यालय में प्रदेश पदाधिकारियों के साथ संगठनात्मक बैठक की। बैठक में पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष, जिले के संगठनात्मक प्रभारी, सह प्रभारी, मोर्चो के अध्यक्ष–महामंत्री, बारह साल विश्वास के, विकास के, जन कल्याण के अभियान की टोली, अभियान के प्रकल्पों की मानिटरिंग टीम उपस्थित रही।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि संगठन महामंत्री अजेय कुमार ने अपना संपूर्ण जीवन समाज और संगठन की सेवा को समर्पित किया है तथा उनके अनुभव का लाभ राजस्थान भाजपा को मिलेगा। उनके नेतृत्व में संगठन और अधिक सशक्त, सक्षम एवं प्रभावी बनेगा तथा नए आयाम स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि संगठन महामंत्री की नियुक्ति के बाद अब उन्हें प्रदेशभर में कार्यकर्ताओं और आमजन के बीच अधिक समय देने का अवसर मिलेगा। भाजपा का मूल आधार संगठन है और संगठन महामंत्री की सक्रिय भूमिका से पार्टी की संगठनात्मक शक्ति और मजबूत होगी। राठौड़ ने कहा कि आगामी चुनावों को देखते हुए भाजपा पहले से तैयार है और अब संगठनात्मक दृष्टि से और अधिक मजबूती के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि संगठन महामंत्री अजेय कुमार संगठन को और अधिक सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे तथा भाजपा सभी चुनावों में सफलता प्राप्त करेगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने अशोक गहलोत के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रदेश की जनता यह समझ चुकी है कि अशोक गहलोत का राजनीतिक प्रभाव लगातार कम हो रहा है, उनका राजनीतिक वजूद घटता जा रहा है। इसी कारण वे अपनी सक्रियता साबित करने के लिए लगातार अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गहलोत अपने ही सहयोगियों पर हमला बोल रहे हैं और बार-बार पुराने विवादों को उठाकर कांग्रेस के भीतर के मुद्दों को सार्वजनिक कर रहे हैं। यह कांग्रेस का आंतरिक मामला है, लेकिन गहलोत जिस प्रकार लगातार बयान दे रहे हैं, उससे स्पष्ट है कि वे अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 साल पूर्ण होने पर कहा कि 26 मई 2014 को नरेंद्र मोदी ने पहली बार देश के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी और अब उनकी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। इन वर्षों में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन, कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि जनता के बीच जाकर केंद्र तथा राज्य सरकारों की उपलब्धियों को पहुंचाएंगे। जनता स्वयं तय करेगी कि उसकी अधिक सेवा किसने की है। भाजपा सेवा की राजनीति में विश्वास करती है और उसका प्रयास रहेगा कि जनता की अपेक्षाओं पर और अधिक खरा उतरे। राठौड़ ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार जनसेवा के लिए समर्पित है। भाजपा विकास और सेवा के इस अभियान को और गति देगी तथा जनता के विश्वास पर पूरी तरह खरा उतरने का कार्य करेगी।

सम्पादकीय

“मानवता सुख शांति प्रेम का, अखिल विश्व में हो विस्तारस्वतंत्रता का हनन न होवे, रहे सुरक्षित जन अधिकार”

संसाधनों के संयमित उपयोग का समय

सुबह अखबार हाथ में आते ही देश-दुनिया की बड़ी खबरों के बीच नजर अक्सर महंगाई पर टिक जाती है। 'रसोई गैस का संकट', 'सब्जियों के बढ़ते दाम या 'कमजोर होता रुपया'-ये सिर्फ सुर्खियां नहीं, बल्कि मध्यमवर्गीय परिवारों के बजट, बच्चों की फीस और भविष्य की सुरक्षा से जुड़ी रोजमर्रा की चिंताएं हैं। बदलते मौसम की मार सभी वर्गों की मुश्किलें अलग से बढ़ा रही है। देखा जाए तो ये दोनों चिंताएं की कड़ी कहीं न कहीं एक दूसरे से जुड़ी है। हमें समझना होगा कि पर्यावरण का सीधा संबंध हमारी रसोई, बिजली के बिल, मोटरसाइकिल की टंकी और खेतों की मिट्टी से है। हाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऊर्जा और संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग, जैविक खेती को अपनाने और ईंधन की खपत घटाने, अनावश्यक विदेशी यात्राओं और सोने की खरीद से बचने और यथासंभव 'वर्क फ्राम होम' अपनाने की अपील की। उन्होंने इस दशक को 'संकटों का दशक' बताते हुए कहा कि कोविड-19, युद्ध और ऊर्जा संकट जैसी वैश्विक चुनौतियां विकास और गरीबी उन्मूलन की उपलब्धियों पर असर डाल रही हैं। इस वैश्विक परिदृश्य को वित्तीय मामलों के जानकार राबर्ट कियोसाकी की गंभीर चेतावनियों के संदर्भ में भी देखा जा सकता है। उनका तर्क है कि सभ्यताओं का पतन किसी बाहरी हमले से नहीं, बल्कि आंतरिक महंगाई, आर्थिक अनिश्चितता और संसाधनों के दुरुपयोग से होता है। प्रधानमंत्री की अपील के संदर्भ की ही बात करें तो आज भारत अपनी जरूरत का लगभग 90 प्रतिशत कच्चा तेल और 50 प्रतिशत प्राकृतिक गैस आयात करता है। होर्मुज जलमार्ग में गतिरोध के चलते उपजे भू-राजनीतिक संकट के कारण कच्चे तेल की कीमतें सौ डालर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं, जिससे देश का आयात बिल तेजी से बढ़ा है। इसी बीच डालर मजबूत होने से रुपया गिरकर लगभग 95 रुपये प्रति डालर के रिकार्ड निचले स्तर पर पहुंच गया, जिसका सीधा असर आम आदमी की जेब और देश की आर्थिक संप्रभुता पर पड़ रहा है। ऐसे कठिन समय में हमारे देश की कृषि नीति इस संकट से निपटने का मजबूत माध्यम बन सकती है। भारत अपनी खाद्य सुरक्षा के लिए आवश्यक यूरिया का लगभग 70 प्रतिशत विदेशों से आयात करता है। यूरिया निर्माण में प्राकृतिक गैस के उपयोग के कारण वैश्विक गैस संकट सरकारी उर्वरक सब्सिडी बजट को कई गुना बढ़ा देता है। ऐसे में हमें जैविक कृषि और प्राकृतिक खेती की ओर तेजी से बढ़ना होगा। गाय के गोबर और गोमूत्र आधारित जैव-इनपुट्स, कंपोस्टिंग और बायोगैस स्लरी के विकेंद्रीकृत उपयोग से रासायनिक यूरिया पर निर्भरता काफी घटाई जा सकती है। यह केवल मिट्टी की सेहत सुधारने का पारंपरिक उपाय नहीं, बल्कि विदेशी मुद्रा भंडार बचाने वाला एक क्रांतिकारी 'कृषि-संयम' है, जो देश को खाद्य सुरक्षा में आत्मनिर्भर बनाता है। भारत ने अतीत में भी बड़े संकटों का सामना सामूहिक त्याग से किया है। जैसे 1962 के युद्ध में माताओं का स्वर्ण दान और 1965 के अन्न संकट में लाल बहादुर शास्त्री की अपील पर पूरे देश द्वारा सप्ताह में एक दिन का उपवास। आज का संकट उतना कठिन नहीं है। वर्तमान प्रधानमंत्री का ऊर्जा संरक्षण और मितव्ययिता का आह्वान हमारे पूर्वजों के त्याग की तुलना में सरल और व्यावहारिक है। हमें बस अपनी रोजमर्रा की आदतों में थोड़ा अनुशासन और संयम लाना है। संयमित जीवन हमारी सांस्कृतिक चेतना का मूल है। महात्मा गांधी ने कहा था कि पृथ्वी के पास हर मनुष्य की आवश्यकता पूरी करने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं, लेकिन किसी एक के लालच को शांत करने के लिए नहीं। यही भाव आज भारत के 'लाइफ मिशन का आधार है। इसी संदर्भ में कबीर की सीख भी उतनी ही प्रासंगिक है कि 'साईं इतना दीजिए, जामे कुटुंब समाय। मैं भी भूखा ना रहूं, साधु न भूखा जाय॥' तात्पर्य यही है कि आवश्यकता और लालच का अंतर समझने पर मितव्ययिता केवल आर्थिक नहीं, बल्कि एक नैतिक और सामाजिक कर्तव्य एक 'राष्ट्रीय संयम यज्ञ' बन जाती है। एक आम नागरिक के रूप में हम इस संयम यज्ञ में छोटी-छोटी लेकिन प्रभावी आदतों के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। इसके लिए बड़े आर्थिक त्याग की आवश्यकता नहीं है, बल्कि दैनिक जीवन में अनुशासन और जागरूकता अपनाने की जरूरत है। हमें ऊर्जा और जल संरक्षण को अपनी आदत बनाना चाहिए। एलईडी बल्ब और ऊर्जा-दक्ष उपकरणों का उपयोग को बढ़ावा दें। कमरे से निकलते ही लाइट और पंखे तुरंत बंद करें। पानी का विवेकपूर्ण उपयोग भी उतना ही आवश्यक है। साझा सवारी, साइकिल और पैदल चलने को प्राथमिकता देना भी आवश्यक है।

> मितव्ययिता और ऊर्जा-संयम कोई नकारात्मक विचार नहीं है, बल्कि ये राष्ट्र निर्माण के वे संक्रमणकालीन अनुशासन हैं जो हमें दीर्घकालिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की ओर ले जाते हैं।

विकास की अंधी दौड़ में दम तोड़ता पर्यावरण

पर्यावरण प्रदूषण वर्तमान समय में सबसे बड़ी वैश्विक समस्या है। पिछले तीन दशकों से महसूस किया जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ी समस्या पर्यावरण से ही जुड़ी है। मानवीय क्रियाकलापों के कारण प्रकृति में लगातार बढ़ते दखल के कारण पृथ्वी पर बहुत से प्राकृतिक संसाधनों का विनाश हुआ है। आधुनिक जीवनशैली, पृथ्वी पर पेड़-पौधों की कमी, पर्यावरण प्रदूषण का विकराल रूप, मानव द्वारा प्रकृति का बेदर्दी से दोहन इत्यादि कारणों से मानव और प्रकृति के बीच असंतुलन की भयावह खाई उत्पन्न हो रही है। जलवायु परिवर्तन और प्रदूषित वातावरण के बढ़ते खतरे हम अब लगातार अनुभव कर रहे हैं। इसीलिए पर्यावरण की सुरक्षा तथा संरक्षण के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 5 जून को पूरी दुनिया में 'विश्व पर्यावरण दिवस' मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा तथा संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) द्वारा 16 जून 1972 को स्टॉकहोम में पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनीतिक और सामाजिक जागृति लाने के लिए यह दिवस मनाने की घोषणा की गई थी और पहला विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 1974 को मनाया गया था। विश्व पर्यावरण दिवस का वर्ष 2026 का विषय 'प्रकृति से प्रेरित। जलवायु के लिए। हमारे भविष्य के लिए।' पर्यावरण की रक्षा और प्रकृति के उचित दोहन को लेकर हालांकि यूरोप, अमेरिका तथा अफ्रीकी देशों में 1910 के दशक से ही समझौतों की शुरूआत हो गई थी किन्तु बीते कुछ दशकों में दुनिया के कई देशों ने इसे लेकर क्योटो प्रोटोकाल, मांट्रियल प्रोटोकाल, रियो सम्मलेन जैसे कई बहुराष्ट्रीय समझौते किए हैं। अधिकांश देशों की सरकारें पर्यावरण को लेकर चिंतित तो दिखती हैं लेकिन पर्यावरण की चिंता के बीच कुछ देश अपने हितों को देखते हुए पर्यावरण संरक्षण की नीतियों में बदलाव करते रहे हैं। प्रदूषित वातावरण का खामियाजा केवल मनुष्यों को ही नहीं बल्कि धरती पर विद्यमान प्रत्येक प्राणी को भुगतना पड़ता है। बड़े पैमाने पर प्रकृति से खिलवाड़ के ही कारण दुनिया के विशालकाय जंगल हर साल सुलगने लगे हैं, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था को खरबों रुपये का नुकसान होने के अलावा दुर्लभ जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियां भी भीषण आग में जलकर राख हो जाती हैं। कोरोना काल में लॉकडाउन के दौरान दुनियाभर में पर्यावरण की स्थिति में सुधार देखा गया था, जिसने बता दिया था कि अगर हम चाहें तो पर्यावरण की स्थिति में काफी हद तक सुधार किया जा सकता है लेकिन दृढ़ इच्छाशक्ति के अभाव में पर्यावरण संरक्षण को लेकर अपेक्षित कदम नहीं उठाए जाते। न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में निरन्तर हो रही बढ़ोतरी और मौसम का लगातार बिगड़ता मिजाज गहन चिंता का विषय बना है। जलवायु परिवर्तन से निपटने को लेकर चर्चाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चर्चाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। अपनी पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह स्पष्ट किया है कि धरती में रह-रहकर जो उथल-पुथल की प्राकृतिक घटनाएं घट रही हैं, उनके पीछे छिपे संकेतों और प्रकृति की मूक भाषा को समझना कितना जरूरी है। आधुनिकरण और औद्योगिकीकरण की दौड़ में हमने हर पल प्रकृति की नैतिक सीमाओं का उल्लंघन किया है और ये सब प्रकृति के साथ इंसान की ज्यादतियों का ही नतीजा हैं, जिसके भयावह परिणाम हमारे सामने हैं। मानवीय क्रियाकलापों के कारण ही वायुमंडल में कार्बन मोनोक्साइड, नाइट्रोजन, ओजोन और पार्टिक्यूलेट मैटर के प्रदूषण का मिश्रण इतने खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है कि हमें सांस के जरिये असाध्य बीमारियों की सौगात मिल रही है। सीवरेज की गंदगी स्वच्छ जल स्रोतों में छोड़ने की बात हो या औद्योगिक इकाईयों का अम्लीय कचरा नदियों में बहाने की अथवा सड़कों पर रेंगती वाहनों की लंबी-लंबी कतारों से वायुमंडल में घुलते जहर की या फिर सख्त अदालती निर्देशों के बावजूद खेतों में जलती पराली से हवा में घुलते हजारों-लाखों टन धुएं की, हमारी आंखें तब तक नहीं खुलती, जब तक प्रकृति का बड़ा कहर हम पर नहीं टूट पड़ता। पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील कर दिया गया है। धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिसके दुष्परिणाम स्वरूप ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है। प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें निरन्तर चेतावनियां देती रही है कि यदि हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है लेकिन हम हर बार प्रकृति का प्रचण्ड रूप देखने के बावजूद प्रकृति की इन चेतावनियों को नजरअंदाज कर खुद अपने विनाश को आमंत्रित कर रहे हैं। यदि दुनियाभर में पर्यावरण प्रदूषण की विकराल होती वैश्विक समस्या को देखें तो स्पष्ट है कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे शायद हम कुछ करना ही नहीं चाहते।

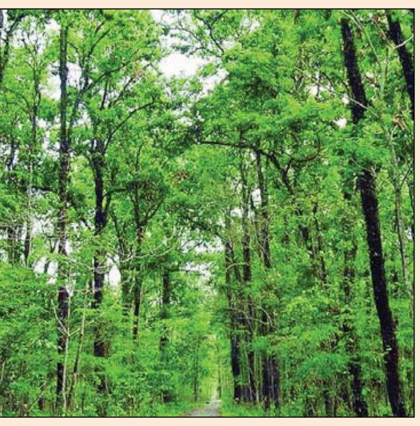

> पर्यावरण की रक्षा और प्रकृति के उचित दोहन को लेकर हालांकि यूरोप, अमेरिका तथा अफ्रीकी देशों में 1910 के दशक से ही समझौतों की शुरूआत हो गई थी किन्तु बीते कुछ दशकों में दुनिया के कई देशों ने इसे लेकर क्योटो प्रोटोकाल, मांट्रियल प्रोटोकाल, रियो सम्मलेन जैसे कई बहुराष्ट्रीय समझौते किए हैं।

आखिर कैसे रुकेंगे दिल्ली होटल अग्निकांड जैसे हादसे, जिम्मेदार कौन?

स्थानीय प्रशासन और नगर निकाय अवैध निर्माण, क्षमता से अधिक उपयोग और सुरक्षा उल्लंघनों की समय रहते पहचान न कर पाना भी जांच का विषय है। चूंकि स्थानीय प्रशासन और नगर निकाय से जुड़े जिम्मेदार लोग भी यदि समय रहते ही खामियां पकड़ लिए होते और स्पष्ट कार्रवाई किये होते तो राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली की इतनी बदनामी नहीं होती।

दिल्ली के मालवीय नगर स्थित होटल-अग्निकांड में 21 लोगों की मृत्यु और दर्जनों के घायल होने की घटना केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि सुरक्षा नियमों की संभावित विफलता और प्रशासनिक लापरवाही पर गंभीर प्रश्नचिह्न है। दुर्भाग्य की बात है कि दिल्ली या अन्य महानगरों में हुई ऐसी ही घटनाओं से सिविल/पुलिस प्रशासन ने कोई सीख नहीं ली, जिससे यह हादसा भी नियति का खेल बनकर रह गया। प्रशासन को इसे गम्भीरता से लेना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर लगाम लगे, जिससे इतनी भारी क्षति नहीं हो पाए। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, भवन में केवल एक प्रवेश-निकास मार्ग था, बेसमेंट और ऊपरी मंजिलों में क्षमता से अधिक कमरे संचालित किए जा रहे थे, तथा अग्नि सुरक्षा मानकों के पालन पर भी सवाल उठ रहे हैं। लिहाजा यह प्रश्न मौजूं है कि आखिर इस लोमहर्षक और दर्दनाक घटना का जिम्मेदार कौन? यह ठीक है कि जांच पूरी होने से पहले अंतिम निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा, लेकिन सामान्यतः ऐसी घटनाओं में जिम्मेदारी कई स्तरों पर तय होती है जो इस प्रकार से समझी जा सकती है-

पहला, होटल मालिक और अदूरदर्शी प्रबंधनः यदि बिना वैध अग्नि सुरक्षा अनुमति के संचालन हुआ। यदि निर्धारित क्षमता से अधिक कमरे या अवैध निर्माण किए गए। यदि आपातकालीन निकास, अलार्म और अग्निशमन उपकरण पर्याप्त नहीं थे। तो इसका सीधा तातपर्य है कि होटल मालिक के अदूरदर्शी प्रबंधन ने लोगों को अप्रत्याशित मुसीबत की आग में झुलसने को मजबूर कर दिया और समय पर समुचित मदद उनतक नहीं पहुंच पाई। यह जांच का विषय है और शायद इसी वजह से होटल मालिक को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में भी लिया है।

दूसरा, लाइसेंस और निरीक्षण देने वाली एजेंसियांः यदि नियमों के उल्लंघन के बावजूद संचालन जारी रहा। यदि नियमित निरीक्षण केवल कागजों तक सीमित रहे, तो लाइसेंस जारी करने और निरीक्षण देने वाली एजेंसियों पर उँगली उठनी स्वाभाविक बात है, क्योंकि इनकी लापरवाही या मिलीभगत से न केवल जान-माल की भारी क्षति हुई, बल्कि केंद्र व राज्य सरकार के गुणवत्ता हीन विकास और कथित सुशासन के दावों की भी हवा निकल गई। चूंकि इस अग्निकांड के विदेशी नागरिक भी शिकार बताए जाते हैं, इसलिए विदेशों में भारत की बदनामी स्वाभाविक है और इससे दिल्ली समेत देश का पर्यटन कारोबार भी प्रभावित हो सकता है।

तीसरा, स्थानीय प्रशासन और नगर निकायः अवैध निर्माण, क्षमता से अधिक उपयोग और सुरक्षा उल्लंघनों की समय रहते पहचान न कर पाना भी जांच का विषय है। चूंकि स्थानीय प्रशासन और नगर निकाय से जुड़े जिम्मेदार लोग भी यदि समय रहते ही खामियां पकड़ लिए होते और स्पष्ट कार्रवाई किये होते तो राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली की इतनी बदनामी नहीं होती।

इसलिए यक्ष प्रश्न समुपस्थित है कि आखिर कबतक ऐसे दर्दनाक हादसे रुकेंगे और कैसे रुकेंगे? इसका जवाब निम्नतम हो सकता है-

पहला, शून्य-सहनशीलता नीति- बिना Fire NOC वाले होटल, गेस्ट हाउस और रेस्तरां तत्काल बंद किए जाएं।

दूसरा, डिजिटल और सार्वजनिक निरीक्षण- सभी होटलों की अग्नि सुरक्षा स्थिति ऑनलाइन सार्वजनिक हो ताकि ग्राहक भी देख सकें कि होटल सुरक्षित है या नहीं।

तीसरा, बहु-निकास अनिवार्य- एक ही प्रवेश-निकास वाले भवनों को होटल या व्यावसायिक उपयोग की अनुमति न दी जाए।

चौथा, आपातकालीन अभ्यास- होटल कर्मचारियों और अतिथियों के लिए नियमित फायर ड्रिल अनिवार्य हो।

पांचवां, व्यक्तिगत जवाबदेही- केवल जुर्माना नहीं, बल्कि गंभीर लापरवाही साबित होने पर होटल मालिकों और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई हो।

छठा, नागरिक जागरूकता- होटल में ठहरते समय लोगों को भी आपातकालीन निकास, अग्निशमन यंत्र और सुरक्षा संकेतों पर ध्यान देना चाहिए।

इस घटना से हमें व्यापक सबक मिलती है, क्योंकि यह घटना हमें यह याद दिलाती है कि भारत में कई बार हादसों के बाद जांच और मुआवजे की घोषणा तो होती है, लेकिन सुरक्षा संस्कृति में अपेक्षित बदलाव नहीं आता। 2019 के दिल्ली होटल अग्निकांड सहित कई बड़ी आग की घटनाओं के बाद भी वही समस्याएं—एकमात्र निकास, अवैध निर्माण, और सुरक्षा मानकों की अनदेखी—दोहराई जाती रही हैं। ऐसे में फिर यदि जांच में सुरक्षा नियमों की अनदेखी सिद्ध होती है, तो जिम्मेदारी केवल होटल मालिक तक सीमित नहीं रहनी चाहिए; उन सभी संस्थाओं और अधिकारियों की भी जवाबदेही तय होनी चाहिए जिनकी निगरानी में यह व्यवस्था चल रही थी।

मूल से उखड़ती तृणमूल

तृणमूल कांग्रेस में विधायकों और सांसदों के बीच अभिषेक बनर्जी के प्रभाव और ममता बनर्जी के परिवारवाद को लेकर बढ़ती नाराजगी पर लेख केंद्रित है।

तृणमूल कांग्रेस के विधायकों में टूट के बाद उसके संसद सदस्यों में भी टूट की आशंका उभर आने पर आश्चर्य नहीं, क्योंकि जैसे पार्टी के अधिकांश विधायक ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी के कार्य-व्यवहार से खफा थे, वैसे ही कई सांसद भी हैं। कुछ की तो नाराजगी भी सामने आ चुकी है। इसकी भी अनदेखी न की जाए कि बागी विधायकों की ओर से विधानसभा में अपना नया नेता चुन लिए जाने पर तृणमूल कांग्रेस के अधिकतर सांसदों ने चुप्पी सी साध रखी है। तथ्य यह भी है कि बीते दिनों जब ममता भतीजे अभिषेक पर कथित गंभीर हमले के खिलाफ धरने पर बैठीं तो ज्यादातर विधायक और सांसद नदारद थे। यदि ममता बनर्जी ने भतीजे अभिषेक को जरूरत से ज्यादा अहमियत नहीं दी होती तो शायद पार्टी उनके हाथ से जाने की नौबत नहीं आती। उन्हें परिवारवाद को प्रश्रय देने के साथ ही अपने नेताओं के बेलगाम भ्रष्टाचार की भी कीमत चुकानी पड़ रही है। तृणमूल कांग्रेस में टूट शिव सेना और एनसीपी में टूट की याद दिलाने वाली है। इन दोनों दलों में टूट का एक कारण यह भी रहा कि जहां एनसीपी प्रमुख शरद पवार बेटी को बढ़ावा दे रहे थे, वहीं शिव सेना सुप्रीमो उद्धव ठाकरे बेटे को। वैसे जहां शिवसेना और एनसीपी में टूट इसलिए हुई, क्योंकि बागी गुट सत्ता का साथ चाहता था, वहीं तृणमूल कांग्रेस में असंतुष्ट नेताओं के अलगाव का कारण सत्ता सुख पाना नहीं है। इस दृष्टि से तृणमूल कांग्रेस की टूट कुछ अलग भी है। साफ है कि असंतुष्ट नेताओं को पार्टी चलाने का ममता का तरीका और खासकर भतीजे को आगे बढ़ाना रास नहीं आया। पुराने और अनुभवी नेताओं को कभी यह स्वीकार नहीं होता कि पार्टी प्रमुख अपने बेटे-बेटियों अथवा भाई-भतीजों को उन पर थोप दे। परिवारवादी दल कई बार अपने परिवार के ऐसे सदस्य को पार्टी पर थोप देते हैं, जो बिल्कुल अनुभवहीन होते हैं। उन राजनीतिक दलों में भी टूटन अधिक होती है, जिनकी कोई विचारधारा नहीं होती। तृणमूल कांग्रेस की विचारधारा जानना उसी तरह कठिन है, जैसे पिछले दिनों टूट का शिकार हुई आम आदमी पार्टी की। लोक लुभावन नीतियों, जाति या समुदाय विशेष के तुष्टीकरण के सहारे किसी राजनीतिक दल को अधिक दिनों तक नहीं चलाया जा सकता। ऐसे दलों में सत्ता के लोभ में दूसरे दलों के नेता आ तो जाते हैं, लेकिन जैसे ही सत्ता जाती है, वे अपना अलग ठिकाना खोजने लगते हैं। तृणमूल कांग्रेस ने भले ही अपना एक कैडर बना लिया हो, लेकिन यह किसी से छिपा नहीं कि पार्टी के अधिकांश नेता दूसरे दलों से अपने स्वार्थों की पूर्ति करने के इरादे से आए थे। इनमें से अधिकतर वाम दलों से आए थे और शायद यही कारण रहा कि ममता ने वही तौर-तरीके अपना लिए, जो वामपंथियों ने अपना रखे थे।

पर्यावरण हितैषी भारतीय जीवनशैली

पर्यावरण संरक्षण भारत के लिए कोई नया विषय नहीं है, बल्कि यह हमारी परंपरा और जीवन-पद्धति का हिस्सा रहा है। इसका प्रमाण हमारी धार्मिक गतिविधियों, परंपराओं, रीति-रिवाजों और दैनिक जीवन के व्यवहार में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। भारतीय संस्कृति पृथ्वी को केवल भौतिक संसाधन नहीं मानती, बल्कि उसे मां के रूप में पूजती है। जंगल, वन्यजीव, वनदेवता और प्रकृति के विभिन्न स्वरूप हमारी प्राचीन सभ्यताओं तथा धार्मिक मान्यताओं में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। इन मान्यताओं के कारण अनेक पौधों और पशु-पक्षियों को धार्मिक आस्था से जोड़कर संरक्षण प्रदान किया जा रहा है। जैसे पीपल, नीम, केला तथा अन्य अनेक वृक्षों को पूजनीय माना गया है। प्राचीन काल से ही ऐसे वृक्ष मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर लगाए जाते रहे हैं। इसी प्रकार अनेक पशु-पक्षियों को भी धार्मिक मान्यताओं के कारण विशेष सम्मान प्राप्त है। अधिकांश हिंदू देवी-देवताओं को किसी न किसी पशु या पक्षी के साथ दर्शाया गया है। ये मानव और प्रकृति के गहरे संबंध को भी व्यक्त करते हैं। यह सब दर्शाता है कि जंगल, पृथ्वी, आकाश, जल, वायु और अग्नि जैसे प्राकृतिक तत्व हमारी सभ्यता, संस्कृति और जीवन-दर्शन का अभिन्न अंग रहे हैं। भारतीय पर्यावरण संरक्षण का दृष्टिकोण केवल व्यवहार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, धार्मिक और नैतिक मूल्यों से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। यही परंपरा पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भारत को विश्व के अन्य देशों से अलग पहचान प्रदान करती है और प्रकृति के साथ हमारी एक टिकाऊ तथा संतुलित संबंध स्थापित करती है। यह भावना लोगों के संस्कारों और जीवनशैली में रची-बसी है, जिसे वे पीढ़ी-दर-पीढ़ी निभाते चले आ रहे हैं। वेद मानवता की ज्ञान-परंपरा के सबसे प्राचीन ग्रंथों हैं। इनमें भौतिक और आध्यात्मिक दोनों प्रकार के विषयों का वर्णन मिलता है। इस दृष्टि से वेद समग्र ज्ञान के स्रोत हैं। उगते हुए सूर्य, प्रभात की लालिमा, प्रकृति की निस्तब्धता और उसकी मधुरता का जितना सुंदर और संवेदनशील चित्रण वेदों में मिलता है, वैसा उदाहरण विश्व साहित्य में दुर्लभ है। वेदों में जीवन और प्रकृति को एक-दूसरे से गहराई से जुड़ा हुआ माना गया है। वहां प्रकृति केवल भौतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन की सहचरी और प्रेरणा-शक्ति के रूप में प्रस्तुत है। यही कारण है कि वेद और आधुनिक विज्ञान को परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक के रूप में देखा जा सकता है।

पर्यावरण विज्ञान और जीव विज्ञान, दोनों आधुनिक विज्ञान की महत्वपूर्ण शाखाएं हैं, जिनके अंतर्गत पर्यावरण के भौतिक, रासायनिक और जैविक घटकों के बीच होने वाली पारस्परिक क्रियाओं का अध्ययन किया जाता है। यद्यपि इन वैज्ञानिक विषयों का औपचारिक विकास 20वीं सदी में हुआ, किंतु इनके मूल तत्वों की झलक वैदिक साहित्य और प्राचीन भारतीय चिंतन में भी देखी जा सकती है। पर्यावरण की अवधारणा समय के साथ बदलती रहती है, क्योंकि यह उस समय की सामाजिक, आर्थिक और प्राकृतिक परिस्थितियों पर निर्भर करती है। पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के अनुसार पर्यावरण में जल, वायु और भूमि के साथ-साथ उनके तथा मानव, अन्य जीवित प्राणियों, पौधों, सूक्ष्मजीवों और संपत्ति के बीच विद्यमान पारस्परिक संबंध भी शामिल हैं। इस परिभाषा के आधार पर कहा जा सकता है कि पर्यावरण के दो प्रमुख घटक हैं-जैविक और अजैविक। जैविक घटकों में मनुष्य, पशु-पक्षी, वनस्पतियां और सूक्ष्मजीव शामिल हैं, जबकि जल, वायु, मिट्टी, प्रकाश और खनिज जैसे तत्व अजैविक घटकों के अंतर्गत आते हैं। आधुनिक विज्ञान को इन परस्पर संबंधों की व्यापकता को समझने में लंबा समय लगा। जबकि वैदिक युग में लोग इसे पहले ही समझ गए थे।

फोटोग्राफिक मेमोरी का अनूठा राज, भूलना भी इंसानी दिमाग की जरूरी क्षमता

क्या इंसानी दिमाग सच में कैमरे की तरह सब कुछ रिकॉर्ड कर सकता है? फोटोग्राफिक मेमोरी की सच्चाई और हमारी यादों के पीछे छिपा विज्ञान क्या है? वैज्ञानिकों के अनुसार, 'ईडेटिक इमेजरी' में कुछ लोग तस्वीर हटने के बाद भी थोड़ी देर तक उसे दिमाग में साफ देख सकते हैं। जब हम किसी घटना को याद करते हैं, तो दिमाग उसे हूबहू वापस नहीं चलाता, बल्कि अलग-अलग हिस्सों को जोड़कर उसका पुनर्निर्माण करता है। यादें हमारे वर्तमान विचारों, भावनाओं, अनुभवों और परिस्थितियों से प्रभावित होती हैं।

फिल्मों और टीवी शो में दर्शक बार-बार ऐसे लोगों के प्रति आकर्षित होते हैं, जिनके पास असाधारण दिमाग होता है। वे किसी कमरे या चेहरे को सिर्फ एक बार देखते हैं और बाद में उसकी हर छोटी-बड़ी जानकारी बिल्कुल सटीक तरीके से दोहरा देते हैं। कुछ लोगों का दिमाग कैमरे की तरह काम करता है। फोटोग्राफिक मेमोरी का विचार बेहद आकर्षक है- एक बार कुछ देखो और वह हमेशा के लिए दिमाग में रिकॉर्ड हो जाए। लेकिन विज्ञान अब तक ऐसी किसी क्षमता का प्रमाण नहीं दे पाया है। स्मृति शोध बताते हैं कि इंसानी दिमाग किसी रिकॉर्डिंग डिवाइस की तरह काम नहीं करता। जब हम किसी घटना को याद करते हैं, तो दिमाग उसे हूबहू वापस नहीं चलाता, बल्कि अलग-अलग हिस्सों को जोड़कर उसका पुनर्निर्माण करता है। यादें हमारे वर्तमान विचारों, भावनाओं, अनुभवों और परिस्थितियों से प्रभावित होती हैं। इसलिए कोई घटना आज जिस तरह याद आती है, वह कल थोड़ी अलग लग सकती है। हमारी स्मृति स्थिर नहीं, बल्कि लगातार बदलने वाली प्रक्रिया है। यही कारण है कि यादें अधूरी भी होती हैं और उनमें गलतियां भी शामिल हो सकती हैं। मेमोरी प्रतियोगिताओं के विजेता जरूर असाधारण याददाश्त रखते हैं। वे मिनटों में हजारों अंक या पूरी ताश की गड्डी याद कर लेते हैं। लेकिन यह जन्मजात नहीं होता। वे विशेष तकनीकों, मानसिक ढांचों व वर्षों के अभ्यास का इस्तेमाल करते हैं। उनकी सफलता बेहतर रणनीतियों का परिणाम होती है, न कि किसी जादुई दिमाग का। वैज्ञानिकों के अनुसार, फोटोग्राफिक मेमोरी के सबसे करीब 'ईडेटिक इमेजरी' नाम की क्षमता मानी जाती है।

स्वात्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक फरजाना बानो, अरमान प्रिन्टर्स चौथ का बरवाडा, जिला-सवाई माधोपुर (राज) 322702 से मुद्रित व चौथ का बरवाडा, जिला-सवाई माधोपुर (राज.) 322702 से प्रकाशित, कार्यालय- चतुर्भुज मन्दिर के पास चौथ का बरवाडा जिला सवाई माधोपुर (राज.) 322702 मोबाईल नं. 8209536639

बजरी माफियाओं के हौसले बुलंद, दत्तवास पुलिस पर हमला

मुमन पत्रिका@ विनोद सांखला

टोंक। निवाई उपखंड क्षेत्र में अवैध बजरी खनन से जुड़े माफियाओं के हौसले लगातार बढ़ते नजर आ रहे हैं। दत्तवास थाना पुलिस पर शुक्रवार को बजरी माफियाओं ने हमला कर पत्थरबाजी कर दी। हमले में पुलिस की सरकारी गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि पुलिसकर्मी सुरक्षित बच गए। जानकारी के अनुसार दत्तवास थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि गांव अगरपुरा से अवैध बजरी से भरे वाहन निकल रहे हैं। इस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और एक बजरी से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ लिया। पुलिस जब वाहन को थाने ला रही थी, तभी रास्ते में महिलाओं ने रास्ता रोक लिया। इसके बाद 15-20 लोगों ने पुलिस दल पर हमला बोलते हुए पत्थरबाजी कर दी। घटना में सरकारी वाहन का पिछला शीशा टूट गया। दत्तवास थाना प्रभारी हीरालाल वर्मा ने बताया कि मामले में कार्रवाई करते हुए 13 पुरुष और 4 महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। वहीं अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

जलदाय विभाग की बड़ी कार्रवाई, 9 अवैध जल कनेक्शन हटाए

मुमन पत्रिका@ विनोद सांखला

टोंक। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने पेयजल सप्लाई को सुचारू बनाए रखने एवं अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने के उद्देश्य से अवैध जल कनेक्शनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। अधीक्षण अभियंता प्रोजेक्ट टोंक के निर्देश पर सहायक अभियंता पूरण मल बैरवा के नेतृत्व में ग्राम पंचायत गुराई से ग्राम श्याला शुक्लपुरा तक जा रही मुख्य पेयजल पाइपलाइन का निरीक्षण किया गया।   के दौरान विभागीय टीम ने 9 अवैध जल कनेक्शन हटाए। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी परियोजना खंड टोंक के अधिशाषी अभियंता आकाशदीप सिंह गुर्जर ने बताया कि अवैध कनेक्शनधारकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 24 हजार 440 रुपए के दंडात्मक शुल्क के नोटिस जारी किए गए हैं। विभाग ने चेतावनी दी है कि भविष्य में अवैध कनेक्शन मिलने पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही नागरिकों से जल चोरी एवं अवैध कनेक्शनों की सूचना विभाग को देने की अपील की गई है

खेत में करंट लगने से बुजुर्ग दंपति की दर्दनाक मौत

मुमन पत्रिका@ विनोद सांखला

टोंक। निवाई उपखंड क्षेत्र के ग्राम डांगरथल में शनिवार को खेत में कृषि कार्य के दौरान करंट लगने से बुजुर्ग दंपति की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद गांव में शोक की लहर छा गई। जानकारी के अनुसार डांगरथल निवासी नानगराम शर्मा (55) अपनी पत्नी रामरक्खी (50) के साथ खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक नानगराम करंट की चपेट में आ गए और तड़पने लगे। पति को बचाने के लिए दौड़ी पत्नी रामरक्खी भी करंट की चपेट में आ गई। दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलने पर परिजन खेत पहुंचे तो दोनों के शव पड़े मिले, जिसे देखकर परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर निवाई थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को उप जिला अस्पताल निवाई की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बामनवास की जनसमस्याओं को लेकर मंत्री खर्रा से मिले मनीष मीणा

मुमन पत्रिका

बामनवास। भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष मनीष मीणा ने बामनवास नगर पालिका क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर राजस्थान सरकार के मंत्री झाबर सिंह खर्रा से मुलाकात की। मनीष मीणा ने मंत्री के समक्ष नगर क्षेत्र में जल निकासी, सड़क निर्माण, अतिक्रमण हटाने, पीएम आवास योजना में आ रही समस्याएं, नरेगा कार्य, रोड लाइट व्यवस्था तथा डम्पिंग यार्ड जैसी प्रमुख समस्याओं को उठाया। उन्होंने आमजन को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं विकास कार्यों में तेजी लाने की मांग की। इस दौरान मंत्री खर्रा ने समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देने का आश्वासन दिया।

विश्व रक्तदाता दिवस पर 14 जून को लगेगा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

मुमन पत्रिका@ नईम अख्तर

सवाई माधोपुर।विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर 14 जून को सामान्य चिकित्सालय सवाई माधोपुर स्थित ब्लड सेंटर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलेगा। प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. तेजराम मीणा ने बताया कि शिविर का उद्देश्य सुरक्षित रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना है।

साइबर ठगी के नेटवर्क पर कोतवाली पुलिस की बड़ी कार्रवाई: बैंक खाते किराये पर लेकर ठगों तक पहुंचाने वाला मास्टरमाइंड गिरफ्तार

जयपुर, सवाई माधोपुर और पंजाब में छिपकर काट रहा था फरारी

मुमन पत्रिका

सवाई माधोपुर । कोतवाली थाना पुलिस ने साइबर ठगी के नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई करते हुए बैंक खाते किराये पर लेकर साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराने वाले मास्टरमाइंड जसमीत उर्फ जसमीत बग्गा को गिरफ्तार किया है। आरोपी साइबर ठगों को बैंक खाते और क्रिप्टोकरेंसी यूएसडीटी उपलब्ध कराकर मोटा कमीशन कमाता था। पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रेयी के निर्देशन में कोतवाली थाना प्रभारी मदनलाल मीणा के नेतृत्व में गठित टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार 16 मई को दर्ज एक प्रकरण में खाताधारक नितेश करौल को गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ के दौरान उसने खुलासा किया कि उसने अपना बैंक खाता जसमीत उर्फ बग्गा को किराये पर दिया था। उक्त खाते में साइबर ठगी की रकम जमा हुई थी। इसके बाद से आरोपी फरार चल रहा था। जांच में सामने आया कि जसमीत अपने साथियों के साथ मिलकर साइबर ठगों को बैंक खाते किराये पर उपलब्ध कराता था। ठगी की रकम के लेन-देन के बदले वह करीब 15 प्रतिशत तक कमीशन वसूलता था। आरोपी ने सवाई माधोपुर और जयपुर सहित कई लोगों के बैंक खाते किराये पर लेकर साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराए थे। पुलिस के अनुसार आरोपी कोतवाली थाने में दर्ज साइबर फ्रॉड के दो अन्य मामलों में भी वांछित चल रहा था। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह कभी जयपुर, कभी सवाई माधोपुर तो कभी पंजाब के गुरुद्वारों में छिपकर फरारी काट रहा था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से आगे की कार्रवाई की जा रही है। मामले में अनुसंधान जारी है। साइबर अपराधियों का बना हुआ था मददगार पुलिस जांच में सामने आया कि जसमीत उर्फ बग्गा साइबर ठगों और खाताधारकों के बीच अहम कड़ी के रूप में काम करता था। वह लोगों से बैंक खाते किराये पर लेकर उन्हें साइबर अपराधियों तक पहुंचाता था। इसके बदले मिलने वाले कमीशन से वह आर्थिक लाभ अर्जित कर रहा था। पुलिस अब उसके नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी हुई है।

एसपी रोशन मीणा के नेतृत्व में टोंक पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई: साइबर ठगी, मानव तस्करी, अवैध बजरी परिवहन सहित कई मामलों में कार्रवाई

मुमन पत्रिका@ विनोद सांखला

टोंक। पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा के निर्देशन में टोंक पुलिस लगातार अवैध गतिविधियों, साइबर ठगी, अवैध बजरी परिवहन और वांछित अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है। विभिन्न थाना पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई करते हुए कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस थाना अलीगढ़ ने मुंबई, झालावाड़ और बूंदी पुलिस के समन्वय से बालिग और नाबालिग लड़कियों को काम और पैसों का लालच देकर महानगरों में अनैतिक गतिविधियों में धकेलने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया। मामले में भीमा उर्फ भीमशंकर एवं रामकन्या बाई को नामजद किया गया। पुलिस ने दो बालिकाओं को आरोपियों के चंगुल से मुक्त करवाया। वहीं उनियारा थाना पुलिस ने करीब 15 लाख रुपए की साइबर ठगी मामले में कार्रवाई करते हुए अपने बैंक खाते में रकम डलवाकर कमीशन पर साइबर ठगों को नकद राशि उपलब्ध करवाने वाले आरोपी जोन्या उर्फ जोनु मीणा को गिरफ्तार किया। इसके अलावा घाड़, डिग्गी और मेहंदवास थाना पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई करते हुए अवैध बजरी से भरे तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर प्रकरण दर्ज किए। पुलिस कार्रवाई के दौरान चालक मौके से फरार हो गए। देवली थाना पुलिस ने राजस्थान गौवंशीय पशु अधिनियम के मामले में फरार आरोपी सहबास अहमद निवासी अलवर को गिरफ्तार किया। आरोपी पर गौवंश की अवैध ढुलाई और पशुओं के प्रति क्रूरता का आरोप है। मामले में अन्य आरोपियों की भूमिका की जांच जारी है।

शिवाड़ में कलश यात्रा के साथ भागवत कथा शुरू, भजनों पर झूमे श्रद्धालु

मुमन पत्रिका

शिवाड़। घुश्मेश्वर ज्योतिर्लिंग महादेव मंदिर परिसर में शनिवार से श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ श्रद्धा और उत्साह के साथ हुआ। कथा आरंभ से पहले कल्याण मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। शोभायात्रा में बैंड-बाजों की मधुर धुनों पर महिला-पुरुष भगवान के भजनों पर नाचते-गाते नजर आए। महिलाओं ने सिर पर मंगल कलश धारण कर यात्रा की शोभा बढ़ाई। वहीं मुख्य यजमान श्रीमद्भागवत महापुराण की पोथी को सिर पर धारण कर चल रहे थे। कलश यात्रा मुख्य बाजार और लक्ष्मीनारायण मंदिर मार्ग से होते हुए कथा स्थल पहुंची। यहां विधि-विधान के साथ श्रीमद्भागवत महापुराण का पूजन कर कथा का शुभारंभ किया गया। प्रचार-प्रसार मंत्री शंभू मिश्रा ने बताया कि वृंदावन से पधारी कथावाचक नंदिनी दीदी श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराएंगी। कथा का आयोजन 6 जून से 12 जून तक किया जाएगा। प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक कथा होगी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बांटे कपड़े के थैले

मुमन पत्रिका’

सवाई माधोपुर । विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शाम को बजरिया सब्जी मंडी में एक अनोखा नजारा देखने को मिला। भारत विकास परिषद, शाखा मानटाउन द्वारा सिंगल-यूज प्लास्टिक के खिलाफ एक विशेष जन-चेतना अभियान चलाया गया, जिसके तहत आम जनता और दुकानदारों को निःशुल्क कपड़े के थैले बांटे गए। शाखा सचिव उमेश कुमार गुप्ता ने बताया कि पॉलीथिन हमारी धरती और आने वाली पीढ़ियों के लिए धीमा जहर है। इस अभियान का उद्देश्य हर हाथ में कपड़े का थैला पहुंचाना है। इस अभियान की कमान संभालते हुए महिला शक्ति से अनीता गुप्ता, प्रीति गुप्ता, सुनीता सिंहल और वंदना शर्मा ने महिलाओं को रसोई से लेकर बाजार तक प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शाखा अध्यक्ष प्रदीप गर्ग, पर्यावरण संयोजक ज्ञानेन्द्र दत्त शर्मा और कोषाध्यक्ष विपिन अग्रवाल ने अग्रभाग में रहकर टीम का उत्साहवर्धन किया। वहीं, व्यवस्थाओं को सुचारू बनाने में हनुमान शर्मा, वीरेंद्र गुप्ता, कपिल नामा, सुनील जैन और रामप्रताप सिंह ने अपनी कर्मठता से विशेष योगदान दिया। मंडी में आए आम नागरिकों ने इस जमीनी प्रयास की सराहना की और कई लोगों ने मौके पर ही पॉलीथिन छोड़कर कपड़े के थैले को अपनाया। अध्यक्ष प्रदीप गर्ग ने सभी का आभार व्यक्त किया।

कारखाना कोटा में 22 दिवसीय पर्यावरण जागरूकता अभियान सम्पन्न

मुमन पत्रिका

कोटा। पश्चिम मध्य रेलवे के कारखाना कोटा में 15 मई से 5 जून 2026 तक 22 दिवसीय पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। अभियान में कार्यशाला के कर्मचारियों, पर्यवेक्षकों एवं अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अभियान का शुभारंभ 15 मई को विश्व पर्यावरण जागरूकता रैली के साथ हुआ। रैली में करीब 1650 कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने भाग लेते हुए सामूहिक रूप से पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली। अभियान के दौरान जलवायु परिवर्तन जागरूकता, वस्तुओं के पुनः उपयोग एवं पेपरलेस कार्य प्रणाली को बढ़ावा देने, स्क्रैप पृथक्करण, स्वच्छता अभियान, जैव अपघटनीय कटलरी के उपयोग, जैविक कचरा निस्तारण, जल संरक्षण, ऊर्जा बचत, ई-कचरा प्रबंधन तथा ‘एक पेड़ माँ के नाम’ अभियान के तहत पौधारोपण जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अलावा क्विज प्रतियोगिता एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भी कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित समापन समारोह में मुख्य कारखाना प्रबंधक सुधीर सर्वरिया, उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (प्रथम) दिलीप सिंह मीना, उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (द्वितीय) पुरुषोत्तम मीना सहित अन्य अधिकारी एवं वरिष्ठ पर्यवेक्षक उपस्थित रहे। मुख्य कारखाना प्रबंधक सुधीर सर्वरिया ने कहा कि कारखाना कोटा द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किए जा रहे प्रयास रेलवे की दीर्घकालिक पर्यावरणीय प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण के लिए इस प्रकार के अभियान समय की आवश्यकता हैं। समारोह के अंत में सभी अधिकारियों एवं वरिष्ठ पर्यवेक्षकों ने पुनः पर्यावरण शपथ ली तथा पौधारोपण कर अभियान का समापन किया।

भारत का समय आ गया है, हमें अपनी तैयारी तेज करनी होगी : संघ प्रमुख मोहन भागवत

एजेंसी

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ मोहनराव भागवत ने कहा कि भारत का समय आ चुका है और विश्व को नई दिशा देने की जिम्मेदारी भारत के कंधों पर है। ऐसे में हमें खुद को तैयार करने की गति तेज करनी होगी। इसी संदर्भ में उन्होंने संघ को केवल दूर से देखने या दर्शक बने रहने की बजाय भीतर आकर संघ को समझने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने कहा कि समाज और राष्ट्र के लिए निःस्वार्थ भाव से कार्य करने वालों तक हमारे कार्यकर्ता स्वयं पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि हिन्दू समाज की संगठित शक्ति के द्वारा ही भारत राष्ट्र का उद्धार होगा। नागपुर के रेशिमबाग मैदान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यकर्ता विकास वर्ग-द्वितीय के सार्वजनिक समापन समारोह में कार्यकर्ताओं और समाज के लोगों को

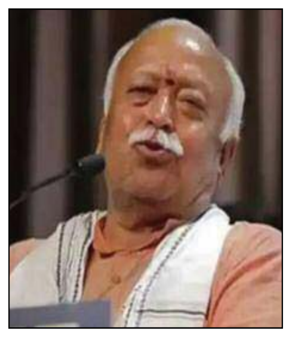

संबोधित करते हुए उन्होंने यह आह्वान किया। समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर आदित्य बिरला समूह के अध्यक्ष कुमार मंगलम बिरला शामिल हुए। संबोधन से पूर्व प्रशिणार्थियों ने अनेक प्रकार के शारीरिक प्रदर्शन किए। इस अवसर पर अपने संबोधन में डॉ मोहन भागवत ने कहा कि वर्तमान विश्व संघर्ष, स्वार्थ और असंतुलित विकास की चुनौतियों से जूझ रहा है।

ऐसे समय में मानवता को भारत के जीवन-दर्शन और मूल्यों की आवश्यकता है। भारत में विश्वगुरु बनने की क्षमता है, लेकिन इसके लिए समाज को तैयार करने की गति बढ़ानी होगी। उन्होंने कहा, ‘परिस्थितियों को अपने अनुकूल बनाने का सामर्थ्य उन्हीं लोगों में होता है जो पहले से तैयारी करते हैं। ‘संघ प्रमुख ने कहा कि व्यक्ति की स्वतंत्रता, समाज की स्वतंत्रता और सृष्टि के संरक्षण को एक साथ लेकर चलने का विचार भारत की विशेषता है। विश्व के अनेक देश इन पहलुओं को अलग-अलग ढंग से समझते हैं, लेकिन समग्र दृष्टिकोण केवल भारत के पास है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत को विश्व का मार्गदर्शन दूसरों की नकल करके नहीं, बल्कि अपनी सभ्यता, संस्कृति और मूल्यों के आधार पर करना होगा। हजार वर्षों की गुलामी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जिन्होंने भारत पर शासन किया, वे किसी भी दृष्टि से भारतीय समाज से श्रेष्ठ नहीं थे, बल्कि बदतर ही थे। समाज की कुछ कमजोरियों के कारण हमें गुलामी के दौर से गुजरना पड़ा। इसी अनुभव से संघ ने ऐसी कार्यपद्धति विकसित की, जिसके माध्यम से विविधताओं से भरे हिंदू समाज को एकजुट किया जा सके।

डॉ. पूनम छाबड़ा की शिकायत पर प्रशासन एक्शन मोड में, अवैध शराब की दुकान रातों-रात सील

मुमन पत्रिका@ अशफाक अब्बासी

जयपुर। सीकर रोड स्थित अलका टॉकीज के पास अवैध शराब कारोबार की शिकायत पर आबकारी विभाग और प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दुकान को सील कर दिया। कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार शराबबंदी आंदोलन की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. पूनम अंकुर छाबड़ा ने शॉप नंबर-14 में अवैध रूप से शराब बेचे जाने की शिकायत की। शिकायत मिलते ही डॉ. छाबड़ा स्वयं मौके पर पहुंचीं और पुलिस व आबकारी विभाग को सूचना दी। सूचना पर मुरलीपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस टीम को देखकर शराब खरीदने आए लोग मौके से भाग निकले। इसके बाद आबकारी विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करते हुए दुकान को सील कर दिया। डॉ. पूनम छाबड़ा ने प्रशासन से अवैध शराब कारोबार पर सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि ऐसे मामलों में लगातार निगरानी जरूरी है।

विधायक जितेंद्र गोठवाल ने निर्माणाधीन पुलिया का लिया जायजा

मुमन पत्रिका@मेमराज गुर्जर

खंडार। क्षेत्रीय विधायक जितेंद्र कुमार गोठवाल ने एक दिवसीय दौरे के दौरान निर्माणाधीन बोदल उगाल पुलिया के विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं संवेदक को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। विधायक गोठवाल ने पुलिया निर्माण स्थल का बारीकी से निरीक्षण करते हुए कहा कि मानसून के दौरान ग्रामीणों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने निर्माण कार्य में लापरवाही बरतने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी। दौरे के दौरान विधायक ने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। ग्राम पंचायत कुरेड़ी में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में भी शामिल होकर कथा श्रवण किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में ग्रेवल सड़क एवं पानी के हैंडपंप लगाने की घोषणा की। इस अवसर पर खंडार प्रधान नरेंद्र सिंह चौधरी, छाण मंडल अध्यक्ष पुष्पेंद्र मित्तल, खंडार मंडल अध्यक्ष महावीर गड़ासिया, मुरारीलाल वैष्णव, लटूर माली, रामहरि चौधरी, प्रणवीर सिंह, प्रेमचंद महावर, शंकर सैनी, राजेंद्र गुर्जर, रूपसिंह बोदल सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आत्मरक्षा एवं चरित्र निर्माण शिविर में बच्चों को दी संविधान और संस्कारों की सीख

मुमन पत्रिका

चौथ का बरवाड़ा। म्हारो बरवाड़ो फाउंडेशन द्वारा आयोजित चतुर्थ आत्मरक्षा, चरित्र निर्माण एवं सनातन शिक्षा शिविर के चौदहवें दिन कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की वंदना के साथ हुई। इसके बाद योग प्रशिक्षक हंसराज मीणा ने बालक-बालिकाओं को विभिन्न योगासनों एवं व्यायाम का अभ्यास कराया। शिविर में प्रतिदिन की भांति बच्चों को विभिन्न मनोरंजक एवं शारीरिक खेल भी खिलाए गए। खेल गतिविधियों में बच्चों का उत्साह देखने लायक रहा। इस दौरान आयोजित परिचर्चा सत्र में अंबेडकर विचार मंच के प्रदेशाध्यक्ष बदरीलाल महावर मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने संविधान की प्रस्तावना, मौलिक अधिकारों, मुख्य प्रावधानों एवं नागरिक कर्तव्यों पर विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि ऐसे सत्र बच्चों और युवाओं को संविधान की बेहतर समझ विकसित करने में सहायक होते हैं। शिविर में बच्चों को अल्पाहार भी वितरित किया गया। इस अवसर पर योग प्रशिक्षक हंसराज मीणा, व्याख्याता मुकेश वर्मा, स्टोन आर्टिस्ट मनीष वर्मा, व्याख्याता राकेश शर्मा, प्रधानाचार्य दामोदर वर्मा एवं आचार्या श्रीमती रिंकी महावर सहित कई गणमान्यजन मौजूद रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर ज़ाना रिसॉर्ट में हुआ वृक्षारोपण

मुमन पत्रिका

सवाई माधोपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रणथंभौर स्थित जाना रणथंबोर रिसॉर्ट में एस्पायर ग्रुप के तत्वावधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। इस दौरान रिसॉर्ट परिसर में विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में इनाम , दिनेश , हनीश, प्रदीप , बबलू सोलंकी एवं पवन चौधरी सहित अन्य लोगों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। आयोजकों ने कहा कि बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन को देखते हुए प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधारोपण कर प्रकृति संरक्षण में अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों ने भी उत्साहपूर्वक पौधे लगाकर अभियान को सफल बनाया।

अवैध बजरी परिवहन पर मलारना डूंगर पुलिस की कार्रवाई, बजरी से भरी पिकअप जब्त

मुमन पत्रिका@ राशिद खान

मलारना डूंगर। जिले में अवैध बजरी खनन एवं परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मलारना डूंगर पुलिस ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए बजरी से भरी एक पिकअप वाहन को जब्त किया। हालांकि चालक मौके से फरार होने में सफल रहा। थाना अधिकारी राजेश मीणा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के बड़ागांव कहार में नाकाबंदी कर निगरानी शुरू की। इसी दौरान एक संदिग्ध पिकअप वाहन दिखाई दिया, जिसमें तिरपाल से ढककर अवैध रूप से बजरी का परिवहन किया जा रहा था। पुलिस ने वाहन को रुकवाने का प्रयास किया, लेकिन चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने पिकअप वाहन को जब्त कर थाने पहुंचाया तथा वाहन के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर चालक के खिलाफ बजरी चोरी एवं एमएमडीआर एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। फरार चालक की तलाश जारी है। कार्रवाई में हेड कांस्टेबल राकेश कुमार, कांस्टेबल केदार प्रसाद एवं वीर सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों के अनुसार बजरी माफिया अब ट्रैक्टर-ट्रॉली के साथ पिकअप और जुगाड़ वाहनों का इस्तेमाल कर कार्रवाई से बचने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन पुलिस लगातार निगरानी बनाए हुए है। गौरतलब है कि मलारना डूंगर पुलिस ने शुक्रवार को भी अवैध बजरी परिवहन करते हुए एक जुगाड़ वाहन को जब्त किया था। लगातार हो रही कार्रवाई से बजरी माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है। थाना अधिकारी राजेश मीणा ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रेयी के निर्देशन में अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सूचना देने में लापरवाही पर ग्राम विकास अधिकारी पर 5 हजार का जुर्माना

मुमन पत्रिका@ राशिद खान

मलारना डूंगर। राजस्थान राज्य सूचना आयोग ने सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत सूचना उपलब्ध नहीं कराने और आयोग के आदेशों की अवहेलना करने के मामले में ग्राम पंचायत भाड़ौती के ग्राम विकास अधिकारी पर 5 हजार रुपए का आर्थिक दंड लगाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार परिवादी उत्तम कृष्ण सोलंकी ने सूचना आवेदन से संबंधित मामले में द्वितीय अपील प्रस्तुत की थी। आयोग ने पूर्व में 17 अक्टूबर 2025 को संबंधित सूचना उपलब्ध कराने के आदेश जारी किए थे, लेकिन ग्राम विकास अधिकारी द्वारा आदेश की पालना नहीं की गई। आयोग ने मामले में 25 मार्च 2026 तथा 7 मई 2026 को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा, लेकिन अधिकारी ने न तो सूचना उपलब्ध कराई और न ही सुनवाई में उपस्थित हुए। धारा 20(1) के तहत जारी नोटिस का भी कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया। सूचना आयुक्त सुरेश चन्द्र गुप्ता ने अपने आदेश में कहा कि संबंधित अधिकारी का रवैया सूचना के अधिकार अधिनियम के प्रति गंभीर लापरवाही को दर्शाता है। आयोग ने ग्राम विकास अधिकारी को दोषी मानते हुए 5 हजार रुपए का जुर्माना अधिरोपित किया। आयोग ने आदेश दिया है कि दंड राशि संबंधित अधिकारी के वेतन से काटकर डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से 30 दिन के भीतर राजस्थान राज्य सूचना आयोग, जयपुर में जमा कराई जाए। साथ ही आदेश की प्रति संबंधित पक्षों एवं पंचायत समिति मलारना डूंगर के विकास अधिकारी को भेजने के निर्देश भी दिए गए हैं।

महिला इंटक सवाई माधोपुर की जिला अध्यक्ष बनीं मीनू कुमारी मीणा

मुमन पत्रिका@ राशिद खान

मलारना डूंगर। महिला इंटक राजस्थान (राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस की महिला शाखा) द्वारा जारी जिला अध्यक्षों की सूची में सवाई माधोपुर जिले से श्रीमती मीनू कुमारी मीणा निवासी गंभीरा तहसील मलारना डूंगर को जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। संगठन की प्रदेश इकाई ने उनके नाम की आधिकारिक घोषणा करते हुए जिले की जिम्मेदारी सौंपी है। मीनू कुमारी मीणा की नियुक्ति से जिले की महिला कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में उत्साह का माहौल है। संगठन ने उन पर महिला इंटक को जिले में मजबूत करने, महिला श्रमिकों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने तथा संगठन का विस्तार करने की जिम्मेदारी सौंपी है। नियुक्ति के बाद कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों ने मीनू कुमारी मीणा को बधाई देते हुए खुशी जताई। समर्थकों ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में महिला इंटक सवाई माधोपुर जिले में अधिक सक्रिय भूमिका निभाएगी और महिला श्रमिकों के हितों की आवाज को मजबूती से उठाएगी।

रास्ता खोलो अभियान में बड़ी कार्रवाई, 40 साल पुराना अतिक्रमण हटाकर रास्ता कराया सुचारू

मुमन पत्रिका@ राशिद खान

मलारना डूंगर। राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी 'रास्ता खोलो अभियान' के तहत प्रशासन ने शनिवार को देवली गांव में बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 40 वर्षों से अतिक्रमण के कारण बंद पड़े सार्वजनिक रास्ते को अतिक्रमण मुक्त कराया। प्रशासन की कार्रवाई के बाद ग्रामीणों को लंबे समय से चली आ रही आवागमन की समस्या से राहत मिली है। जानकारी के अनुसार हाईवे से गंभीरा गांव की कांकड़ तक जाने वाला करीब 700 मीटर लंबा रास्ता वर्षों से तार फेंसिंग एवं अन्य अवरोध लगाकर बंद कर रखा था। इससे ग्रामीणों को खेतों सहित अन्य स्थानों पर आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। लगातार शिकायतें मिलने के बाद प्रशासन ने मामले का संज्ञान लेते हुए राजस्व विभाग की टीम से सीमाज्ञान कराया। इसके बाद जेसीबी मशीन की सहायता से रास्ते पर किए गए अतिक्रमण को हटाया गया। कार्रवाई के दौरान तार फेंसिंग सहित अन्य अवरोधकों को हटाकर मार्ग को पूरी तरह सुचारू किया गया। प्रशासन ने बताया कि कार्रवाई से पूर्व संबंधित अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी कर स्वयं अतिक्रमण हटाने का अवसर दिया गया था, लेकिन निर्धारित समय में अतिक्रमण नहीं हटाने पर प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए मौके पर पहुंचकर कार्रवाई को अंजाम दिया। कार्रवाई के दौरान गिरदावर भरतलाल मीणा, पटवारी हरिओम सुमन, बाबूलाल मीणा एवं अजय सिंह सहित राजस्व विभाग की टीम मौजूद रही। वहीं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस जाब्ता भी तैनात रहा। ग्रामीणों ने प्रशासन की कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा कि रास्ता खुलने से अब आवागमन आसान हो सकेगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक रास्तों पर किए गए अतिक्रमणों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

रणथम्भौर में खुशखबरी: बाघिन ऋद्धि शावक के साथ नजर आई

मुमन पत्रिका

सवाई माधोपुर। रणथम्भौर टाइगर रिजर्व से वन्यजीव प्रेमियों और वन विभाग के लिए सुखद एवं उत्साहवर्धक खबर सामने आई है। बाघिन आरबीटी-124 'ऋद्धि' को हाल ही में नाल घाटी क्षेत्र में एक शावक के साथ देखा गया है। वन विभाग की नियमित गश्त एवं मॉनिटरिंग के दौरान बाघिन और उसके शावक की मौजूदगी दर्ज की गई। वन विभाग के अनुसार बाघिन ऋद्धि एवं उसके शावक की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि उनकी सुरक्षा एवं संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। शावक का स्वस्थ एवं सुरक्षित दिखाई देना रणथम्भौर में बाघ संरक्षण प्रयासों की सफलता का सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। वन अधिकारियों ने बताया कि रणथम्भौर टाइगर रिजर्व में प्राकृतिक आवास संरक्षण, प्रभावी गश्त, वन्यजीव सुरक्षा उपायों और स्थानीय समुदायों के सहयोग से बाघों की प्रजनन सफलता लगातार बनी हुई है। यह घटना रिजर्व की समृद्ध जैव विविधता और स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र को भी दर्शाती है। वन विभाग द्वारा क्षेत्र में विशेष सतर्कता बरती जा रही है तथा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि बाघिन और शावक को किसी प्रकार का व्यवधान न हो। इसके लिए संबंधित क्षेत्र में आवश्यक सुरक्षा प्रबंध और निगरानी व्यवस्था लागू की गई है।

अभाविप बालोतरा नगर इकाई का अभ्यास वर्ग संपन्न, नई कार्यकारिणी घोषित

मुमन पत्रिका

बालोतरा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) जिला बालोतरा की बालोतरा नगर इकाई का नगर अभ्यास वर्ग सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में संगठनात्मक विषयों, विद्यार्थी हितों एवं आगामी गतिविधियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में अभाविप राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं बाड़मेर-जालोर विभाग संगठन मंत्री पवन ऐचरा तथा जिला संयोजक हनुमान चौधरी ने कार्यकर्ताओं को संगठन की कार्यपद्धति, राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका एवं विद्यार्थी परिषद के उद्देश्यों को लेकर मार्गदर्शन दिया। अभ्यास वर्ग के दौरान बालोतरा नगर इकाई की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई, जिसमें दयाराम राठौड़ को नगर अध्यक्ष एवं नितिन वैष्णव को नगर मंत्री का दायित्व सौंपा गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने नव नियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत कर शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में प्रांत कार्यसमिति सदस्य दिलीप सिंह चांदेसरा, विभाग छात्रा सहप्रमुख फूल कंवर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एसबीआई शाखा प्रबंधक नितिन चौधरी को दी भावभीनी विदाई

मुमन पत्रिका@ फिरोज खान

सीसवाली। स्थानीय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा के शाखा प्रबंधक नितिन चौधरी के स्थानांतरण पर स्पोर्ट्स कमेटी सीसवाली की ओर से विदाई समारोह एवं स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बैंक अधिकारियों, खेल प्रेमियों एवं गणमान्य नागरिकों ने भाग लेकर उनके कार्यकाल की सराहना की। इस अवसर पर स्पोर्ट्स कमेटी पदाधिकारियों ने नितिन चौधरी का साफा पहनाकर, माल्यार्पण कर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। वक्ताओं ने कहा कि चौधरी ने अपने कार्यकाल में बैंकिंग सेवाओं को जनहितकारी बनाने के साथ खेल गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया। मीडिया प्रभारी पवन शर्मा ने बताया कि उनका व्यवहार सदैव सहयोगपूर्ण रहा और उन्होंने ग्राहकों की समस्याओं का त्वरित समाधान कर लोगों का विश्वास जीता। अपने संबोधन में नितिन चौधरी ने सीसवाली की जनता एवं स्पोर्ट्स कमेटी का आभार जताते हुए कहा कि यहां मिला प्रेम और सम्मान हमेशा याद रहेगा। कार्यक्रम में ओमप्रकाश चौधरी, अब्दुल सलाम, यूसुफ पठान, महबूब खान, महेंद्र प्रताप नागर सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं नागरिक मौजूद रहे।

बारां पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 732 ग्राम स्मैक के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

मुमन पत्रिका@ फिरोज खान

बारां। जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना छीपाबड़ौद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 732 ग्राम अवैध स्मैक बरामद कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल भी जब्त की हैं। बरामद स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 1 करोड़ 46 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस अधीक्षक अभिजीत सिंह ने बताया कि पुलिस महानिरीक्षक कोटा रेंज के निर्देशानुसार चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। थाना प्रभारी योगेश चौहान के नेतृत्व में पुलिस टीम गश्त के दौरान आयखेड़ी चौराहे के पास पहुंची, जहां दो मोटरसाइकिलों के पास खड़े तीन युवक पुलिस को देखकर भागने लगे। पुलिस ने घेराबंदी कर तीनों को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम विमल प्रकाश, रवि मित्तल एवं नरेश मीणा बताए। तलाशी के दौरान विमल प्रकाश और रवि मित्तल के कब्जे से 732 ग्राम स्मैक बरामद हुई। एफएसएल एवं एमओबी टीम की प्रारंभिक जांच में पदार्थ के स्मैक होने की पुष्टि हुई। पुलिस के अनुसार आरोपी स्मैक की खरीद-फरोख्त करने वाले थे। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच छबड़ा थाना पुलिस द्वारा की जा रही है।

भाजपा मंडल की बैठक में संगठन मजबूती व मोदी सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा

मुमन पत्रिका@ दीपक गिरी

बौंली। कस्बे स्थित भाजपा मंडल कार्यालय में गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी मंडल की मासिक संगठनात्मक बैठक आयोजित हुई। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की गई। मंडल महामंत्री मगन सिंह गुर्जर ने बताया कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही 5 जून से 21 जून तक आयोजित होने वाले संगठनात्मक एवं जनसंपर्क कार्यक्रमों की समीक्षा भी की गई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष हनुमंत दीक्षित ने की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पार्टी की नीतियों और सरकार की योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक में प्रधान कृष्ण पोसवाल, जिला मंत्री प्रेम देवी मीणा, भैरूलाल मीणा, केशव राजोरा, भूपेंद्र राजोरा सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अलवर सांसद खेल महोत्सव समर कैंप का शुभारंभ: उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बालिकाओं के खेल व स्किल डेवलपमेंट पर दिया जोर

मुमन पत्रिका@ अशफाक अब्बासी

बहरोड़। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शनिवार को केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ अलवर सांसद खेल महोत्सव समर कैंप का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने युवाओं से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दिया कुमारी ने कहा कि खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और आत्मविश्वास विकसित करने का सशक्त जरिया हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने और सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करते हैं। उपमुख्यमंत्री ने विशेष रूप से बालिकाओं को खेलों में आगे बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि लड़कियों में अपार प्रतिभा होती है, उन्हें केवल उचित मंच और अवसर देने की आवश्यकता है। साथ ही उन्होंने युवाओं के लिए स्किल डेवलपमेंट को बढ़ावा देने की बात भी कही। उन्होंने अलवर में पर्यटन की संभावनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार पर्यटन विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। अलवर टाइगर मैराथन को टाइगर संरक्षण और पर्यटन से जोड़ने की पहल को भी उन्होंने सराहनीय बताया। इस अवसर पर आरपीएस ग्रुप के सीईओ मनीष राव, विराटनगर विधायक कुलदीप धनखड़, बानसूर विधायक देवी सिंह शेखावत, रामगढ़ विधायक सुखवंत सिंह, जिला प्रमुख बलबीर सिंह सहित जनप्रतिनिधि, कोच, विद्यार्थी और स्कूल स्टाफ मौजूद रहे।

अशोक गहलोत ने किया 'नवाब दादा कायम ख़ाँ शहीद दिवस' समारोह के पोस्टर का विमोचन

मुमन पत्रिका

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सिविल लाइंस स्थित अपने आवास पर 'नवाब दादा कायम ख़ाँ शहीद दिवस' सम्मान समारोह के पोस्टर का विमोचन किया। यह समारोह 14 जून को जयपुर स्थित संविधान क्लब राजस्थान में आयोजित होगा। राजस्थान वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. खानू खान बुधवाली ने बताया कि समारोह में वीर सैनिकों, खिलाड़ियों तथा शिक्षा, साहित्य, चिकित्सा, पत्रकारिता और सामाजिक सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही 'कायम रत्न अवॉर्ड 2026' भी प्रदान किए जाएंगे। पोस्टर विमोचन के दौरान शकील खान, मोहम्मद अयूब एवं फैसल मोहम्मदी भी मौजूद रहे।

व्यापारिक सम्मेलन को लेकर बाजारों में बांटे निमंत्रण पत्र

मुमन पत्रिका

जयपुर। जयपुर व्यापार महासंघ की ओर से 19 जून को बिरला ऑडिटोरियम में आयोजित होने वाले व्यापारिक सम्मेलन एवं महोत्सव को सफल बनाने के लिए शनिवार से बाजारों में निमंत्रण पत्र वितरण अभियान शुरू किया गया। निमंत्रण अभियान की शुरुआत गणगौरी बाजार स्थित लक्की फर्नीचर से की गई। इस दौरान महासंघ अध्यक्ष सुभाष गोयल, महामंत्री सुरेश सैनी, कोषाध्यक्ष सचिन गुप्ता सहित विभिन्न व्यापार मंडलों के पदाधिकारी और व्यापारी मौजूद रहे। व्यापार महासंघ पदाधिकारियों ने व्यापारियों से सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि यह आयोजन व्यापारिक हितों और आपसी समन्वय को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण रहेगा। कार्यक्रम में शहर के विभिन्न बाजारों के व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।

नंदी गौशाला में हरी सब्जियां खिलाकर किया जीव दया सेवा कार्य

मुमन पत्रिका

बालोतरा। मां आशापुरा सेवा संस्थान के तत्वावधान में इंडस्ट्री एरिया स्थित फॉर फ्रेश नंदी गौशाला में जीव दया सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान गौवंश को हरी सब्जियां एवं चारा खिलाकर सेवा कार्य किया गया। मानव जीव दया सेवा समिति के अध्यक्ष हीरालाल प्रजापति ने बताया कि गौसेवा भारतीय संस्कृति और परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। कार्यक्रम में मां आशापुरा सेवा संस्थान की अध्यक्ष श्रीमती प्रभा सिंघवी ने कहा कि नंदी और गौमाता केवल पशु नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और आस्था का आधार हैं। उनकी सेवा करना सच्ची पूजा के समान है। उन्होंने लोगों से गौशालाओं एवं सड़कों पर विचरण कर रही गौमाता को चारा-पानी उपलब्ध कराने की अपील की। कार्यक्रम में श्रीमती बबली देवी पटौदी, नरेश बाघमार, श्रीमती नैनो देवी चालीसा, श्रीमती रत्ना देवी सिंघवी, धर्मेश कुमार चोपड़ा, दौलतराज सिंघवी, श्रवण कुमार माली सहित संस्थान के पदाधिकारी एवं गौशाला कर्मचारी मौजूद रहे।

मालखाना सफाई अभियान के तहत बौंली थाने में 8 हजार लीटर शराब नष्ट

मुमन पत्रिका@ दीपक गिरी

बौंली। सवाई माधोपुर जिले में पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रेयी के निर्देशन में चलाए जा रहे मालखाना सफाई अभियान के तहत शनिवार को बौंली थाना परिसर में करीब 8 हजार लीटर जब्त शराब को नियमानुसार नष्ट किया गया। कार्रवाई के दौरान विभिन्न आबकारी एवं पुलिस प्रकरणों में जब्त की गई तथा न्यायालयीन आदेशों के अनुसार निस्तारण योग्य घोषित शराब का सत्यापन कर उसे नष्ट किया गया। इस प्रक्रिया से थाना मालखाने में पर्याप्त स्थान खाली हुआ तथा रिकॉर्ड प्रबंधन को व्यवस्थित करने में मदद मिली। कार्रवाई जिला आबकारी अधिकारी हरीश रोलन, आबकारी निरीक्षक अरविंद सिंह, थाना अधिकारी जितेंद्र सोलंकी एवं मालखाना प्रभारी गोविंद सिंह की मौजूदगी में संपन्न हुई। अधिकारियों की निगरानी में पूरी प्रक्रिया नियमानुसार पूरी की गई। थाना अधिकारी जितेंद्र सोलंकी ने बताया कि मालखानों में जमा पुरानी जब्त सामग्री के निस्तारण से रिकॉर्ड व्यवस्थित रहता है